MA HINDI

by Cde Anu

Submission date: 19-May-2025 07:53PM (UTC+0530)
Submission ID: 2679816364
File name: M.A_Hind.pdf (2.01M)
Word count: 707
Character count: 2384

विषय

SEMESTER-II, PAPER-I

	नुक्रमनिका	पृष्ठ संख्या
1	आधुनिक काल - पृष्ठभूमि - राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि और नव - जागरण	1.1 – 1.17
2	भारतेन्दु युगीन कविता	2.1 – 2.9
3	द्विवेदी युगीन कविता	3.1 – 3.13
4	छायावादी काव्यधारा- प्रमुख कवि एवं काव्य	4.1 – 4.11
5	प्रगतिवादी काव्यधारा - प्रतिनिधि कवि एवं काव्य	5.1 – 5.13
6	प्रगतिवादी काव्यधारा - प्रतिनिधि कवि एवं काव्य	6.1 – 6.12
7	नई कविता एवं समकालीन कविता-प्रतिनिधि कवि एवं काव्य	7.1 – 7.5
8	आधुनिक काल : गद्य साहित्य का विकास	8.1 – 8.15
9	उपन्यास विधा	9.1 – 9.13
10	कहानी विधा	10.1 – 10.11
11	अन्य विधाएँ	11.1 – 11.26

M. A. Hindi 1st year IInd Semister paper – II

Theory of literature (Western)

पाश्चात्य काव्य शास्त्र

अनुक्रमणिका

I. पाश्चात्य काव्य शास्त्र- उद्भव और विकास	1.1 - 1.11
2.प्लेटो -काव्य प्रेरणा का सिद्धांत, अनुकृति	2.1 - 2.10
3. अरस्तु – अनुकृति, त्रासदी और उसके तत्व, विरेचन	3.1- 3.16
4. लोंजाइनस – काव्य में उदात्त तत्व, उदात्त की अवधारणा	4.1 - 4.16
5. आई. एस. रिचर्ड्स- मूल्य एवं सम्प्रेषण का सिद्धांत	5.1 - 5.18
6. टी. एस. इलियट – परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	6.1 - 6.10
7. एफ. आर. लेविस- मूल्य विवेचन	7.1 - 7.18
8. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन – आधार और अधिरचना और वर्ग संघर्ष (यथार्थवाद, अस्तित्ववादी साहित्य चिंतन)	8.1 - 8.17
9. साहित्य रुपों का अध्ययन- काव्य (महाकाव्य, खण्ड काव्य, मुक्तक काव्य, गीति काव्य)	9.1 - 9.15
10. साहित्य रूपों का अध्ययन गद्य (उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबंध, रेखाचित्र और संस्मरण)	10.1 - 10.17
11. क्रोचे : अभिव्यंजनावाद	11.1 - 11

अनुक्रमणिका

SEMESTER-II, PAPER-III

1. प्रियप्रवास 1.1-1.6

1. 'प्रियप्रवास' के महाकाव्यत्व पर झाँकी डालिए।

(अथवा)

'प्रियप्रवास' खडी बोली का प्रथम महाकाव्य है - समीक्षा कीजिए।

2. कामायनी 2.1-2.17

1. कामायनी में महाकाव्य का महत्त्व समझाइए।

(अथवा)

कामायनी के महाकाव्यत्व का मूल्यांकन कीजिए।

2. कामायनी में रूपक तत्त्व पर विचार कीजिए।

(अथवा)

कामायनी में व्यक्त दर्शन की समीक्षा कीजिए।

3. कामायनी महाकाव्य में 'श्रद्धा सर्ग' की विवेचना करते हुए कवि के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डालिए। 3.1-3.11

(अथवा)

'श्रद्धा सर्ग' का भावात्मक सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(अथवा)

कामायनी में 'श्रद्धा सर्ग' की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

3. राम की शक्ति पूजा।

1. राम की शक्ति पूजा की समीक्षा कीजिए।

2. राम की शक्ति पूजा के काव्य सौन्दर्य का मूल्यांकन कीजिए।

4. तारापथ 4.1-4.14

1. 'नौका विहार' कविता का सारांश लिखकर विशेषताएँ बताइए।
2. 'ताज' कविता में पल्लवित पंतजी की भावनाओं को व्यक्त कीजिए।
3. 'भारतमाता' कविता में अभिव्यक्त पंतजी की देशभक्ति (देशप्रेम) का विवरण दीजिए।
4. सुमित्रानन्दन पन्त कृत 'द्रुत झरो' कविता की समीक्षा कीजिए।
5. पंत के 'प्रकृति-चित्रण' पर प्रकाश डालिए।

5. सन्धिनी 5.1-5.21

1. 'धीरे-धीरे उत्तर क्षितिज से' - महादेवी वर्मा की कविता का मूल्यांकन कीजिए।
2. 'विरह का जलजात जीवन, विरह का जलजात' कविता में महादेवी जी के भावोद्‌गारों की समीक्षा कीजिए।
3. महादेवी वर्मा कृत 'मधुर - मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयत्री का हृदयांकन हुआ है, समीक्षा कीजिए।
4. 'मैं नीर भरी दुख की बदली' कविता में महादेवी जी की भावनाओं का मूल्यांकन कीजिए।
5. 'महादेवी का वेदना-भाव' पर लेख लिखिए।
6. महादेवी वर्मा की कविता में व्यक्त रहस्यवाद का उल्लेख कीजिए।

भाषा विज्ञान

SEMESTER-II, PAPER-IV

अनुक्रमनिका | पृष्ठ संख्या

1. भाषा की - संरचना –भाषा के विविध रूप 1.1- 1.14
2. भाषाविज्ञान- भाषा विज्ञान की शाखाएँ 2.1- 2.15
3. भाषाविज्ञान का इतिहास- मुनित्रय 3.1- 3.11
4. ध्वनि-विज्ञान 4.1- 4.18
5. ध्वनि के गुण- ध्वनि नियम 5.1- 5.11
6. रूप विज्ञान 6.1- 6.10
7. अर्थ विज्ञान 7.1- 7.10
8. शब्द विज्ञान 8.1- 8.11
9. वाक्य विज्ञान-वाक्य गठन परिवर्तन के कारण 9.1- 9.17

SEMESTER II

PAPER - V : SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR

DINAKAR

205HN21 - विशेष अध्ययन : दिनकर

पाठ्य पुस्तकें :

1. अ. हुँकार ।
   आ. कुरूक्षेत्र - (6,7, सर्ग मात्र) ।
   इ. रश्मिस्थी - चौथा सर्ग मात्र ।
   ई. ऊर्वशी - (तीसरा सर्ग मात्र) ।
1. दिनकर के काव्यों का विस्तृत अंध्ययन : हुँकार

वस्तु और विचार के स्वरूप का विवेचन, विद्रोही चेतना, शिल्प योजना, भक्ति संरचना, निष्कर्ष ।

2. आधुनिक हिन्दी कविता का परिवेश और दिनकर की साहित्य साधना : एक विहंगावलोकन, रचनाशीलता ।

सहायक ग्रन्थ :

1. युगचरण दिनकर - डॉ. सावित्री सिन्हा ।
2. दिनकर : वैचारिक क्रान्ति के परिवेश में - डॉ. पी. आदेश्वर राव ।
3. दिनकर की कविता में विचार-तत्व : डॉ. एस. शेषारत्नम ।
4. ऊर्वशी : संवेदना एवं शिल्प : डॉ. वचनदेव कुमार बालोन्दु शेखर तिवारी ।

MA HINDI

ORIGINALITY REPORT

11%	11%	0%	0%
SIMILARITY INDEX	INTERNET SOURCES	PUBLICATIONS	STUDENT PAPERS

PRIMARY SOURCES

1	www.dailypioneer.com Internet Source	11%

Exclude quotes	Off	Exclude matches	Off
Exclude bibliography	Off		

MA HINDI

GRADEMARK REPORT

FINAL GRADE

/0

GENERAL COMMENTS

PAGE 1

PAGE 2

PAGE 3

PAGE 4

PAGE 5

PAGE 6